खबर संक्षेप

जुआरियों-सट्टोरिए को पुलिस ने दबोचा

शहडोल। पुलिस अधीक्षक द्वारा नशे एवं सट्टा/जुआ के विरूद्ध कार्यवाही करने के लिए थाना-चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। थाना अमलाई क्षेत्रांतर्गत 28 अप्रैल को कस्बा भ्रमण के दौरान मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि बकहो कुदरा टोला में कुछ व्यक्ति हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे है। सूचना पर अमलाई पुलिस द्वारा उक्त स्थान पर दबिश देकर जुआरी राकेश दुबे पिता केदारनाथ दुबे, ओमप्रकाश यादव पिता गजाधर यादव, विनोद साखी पिता चन्द्रप्रसाद साखी एवं अमित कोल पिता बाबूलाल कोल सभी निवासी अमलाई के कब्जे से तास के 52 पत्ते एवं 5400 रूपये नगदी जब्त किया गया। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरूद्ध जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

बुढार क्षेत्रांतर्गत जैतपुर तिराहा बुढार में हारजीत का दाव लगाकर सट्टा खिलवाने की खबर पुलिस को मिली, सूचना पर बुढार पुलिस द्वारा उक्त स्थान पर दबिश देकर आरोपी राकेश कुमार वर्मा पिता राजीव वर्मा उम्र 30 वर्ष निवासी बुढार के कब्जे से सट्टा पर्ची, पेन एवं 430 रूपये नगदी जब्त किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी के विरूद्ध सट्टा एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

ठेका के बावजूद रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन

उमरिया। जिले में चिन्हित रेत खदानों का ठेका होने के बावजूद अवैध रेत उत्खनन और परिवहन पर लगाम लगता नहीं दिखाई दे रहा। जिले के विभिन्न नदी नालों से रेत की चोरी अवैध तरीके से हो रही है , जिसमें जिम्मेदार विभागों की मूक सहमति सामने आ रही है। बात की जाए मानपुर ब्लॉक की तो यहां शासन के नियमो की धज्जियां उड़ाते हुए मनमाफिक रेत उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है। सूत्र बताते है कि मानपुर क्षेत्र में बलहौड़ सोन नदी के पोंडी घाट सहित मझौली खदान से रॉयल्टी के साथ रेत का उत्खनन किया जा रहा है, किंतु चरण गंगा, बरुहा नाला, भडारी नदी नाले से भी बेहिचक अवैध रेत उत्खनन कर परिवहन किया जाता है, जिसमें जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध बनी हुई है। बताया गया है कि यहां ट्रेक्टर से मनमाफिक उत्खनन कर मिलीभगत के साथ अवैध परिवहन की जाती है वहीं गोवर्दे क्षेत्र से लगे सिगुड़ी के नाले से भी बेहिचक रेत उत्खनन का खेल प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों के मूक सहमति से हावी है।करकेली ब्लॉक के ऊजान, करही टोला, सेहरा, बसकुटा, कछरा, पठारी, रथेली क्षेत्र आदि से भी अवैध रेत कारोबार किया जा रहा है। बताया गया है कि यहां दिन में ट्रेक्टर और रात में डगियो से परिवहन किया जाता है, जिसमे वन और राजस्व भूमि से उत्खनन किए गए रेत का स्टॉक कर धडल्ले से परिवहन किया जाता है, किंतु अधिकारी न तो कभी जांच करने जाते न ही कोई कार्यवाही करते। इसी तरह पाली ब्लॉक में रेत की टीपी बंद होने के बाद रेत का अवैध कारोबार चौथे आसमान में पहुंच गया है। पाली ब्लॉक के राजस्व और वन भूमि से लगे बेली, जमुहाई, अमहा, गोयरा, परसौरा गांव के नदी नाले से बेहिचक रेत की चोरी कर परिवहन किया जा रहा है, जिसमें स्थानीय नेताओं सहित क्षेत्र के दबंगों के ट्रेक्टर होने की पुष्ट जानकारी सामने आ रही है। बताया गया है कि पाली ब्लॉक के मूंदरिया बरहाई ग्राम पंचायत के बरम टोला कमराई नदी नाले से बेहिचक भोर और रात में रेत का स्टॉक कर मिलीभगत के साथ रेत चोरी की जा रही है। वहीं घुनघुटी वन परिक्षेत्र से लगे ममान, अमिलिहा, मालाचुआ, ओदरी , बकेली, चौरी आदि के वन और राजस्व भूमि से रेत की चोरी कर स्थानीय निर्माण स्थल सहित शहडोल में परिवहन किया जा रहा है।

संभागीय मुख्यालय से सटे गांवों में बन रही अवैध कालोनियां

भू-माफिया चुस्त-शहडोल प्रशासन सुस्त!

रजिस्टार कार्यालय से लेकर राजस्व विभाग के जिम्मेदारों की सांठ-गांठ

भूमाफियाओं कृषि भूमि पर व्यावसायिक व आवासीय भूखंडों की प्लाटिंग धड़ल्ले से कर रहे हैं, बिना भू-रूपांतरण के नियम विरुद्ध प्लॉटों की खरीद-फरोख्त से भूमाफिया मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। भू-माफियाओं ने संभागीय मुख्यालय से लगी कृषि भूमि पर बड़े पैमाने पर प्लाटिंग की है, पचगांव, कोटमा, पोंगरी, छतवई, कोयलारी के अलावा एडीजी कार्यालय के पीछे अवैध प्लाटिंग का खेल धड़ल्ले से चल रहा है।

शहडोल। संभागीय मुख्यालय से सटे ग्रामों में भू-माफिया कृषि भूमि को सस्ती दरों में खरीदकर महंगी दरों पर अवैध प्लाट बेचे जा रहे हैं। यह सब कुछ अधिकारियों के संरक्षण के कारण हो रहा है। इस तरह बिना डायवर्सन व रेरा के कृषि भूमि पर अवैध प्लाट काटे जा रहे हैं। स्थानीय राजस्व प्रशासन कार्रवाई करने से हमेशा बचता नजर आ रहा है। ना तो डायवर्सन और एनओसी इसके बाद भी खेतों में फसलों के स्थान पर प्लाट काटी जा रहे हैं। संभागीय मुख्यालय में मेडिकल एवं इंजीनियरिंग कॉलेज आने के बाद से यह कारोबार तेजी से फल-फूल गया। जिन खेतों में फसले लहलहाती थी, वहां अब प्लाट काटे जा रहे हैं। संभागीय मुख्यालय से सटे कोयलारी में खसरा क्रमांक, 53, 55/2 में दर्जनों टुकड़े काटे गये हैं, लेकिन कभी भी रजिस्टार कार्यालय में बैठे जिम्मेदारों ने इसकी सुध नही ली।

भूमि को घोषित कर सकते हैं राजकीय

कृषि भूमि पर प्लॉटिंग करने के लिए भूमि रूपांतरण की प्रक्रिया अपनाई जाती है। तहसीलदार 1000 वर्ग मीटर, एसडीएम 5 हजार वर्ग मीटर तक भूमि रूपांतरण की स्वीकृति दे सकते हैं। इससे अधिक भूमि के भूरूपांतरण की स्वीकृति जिला कलेक्टर जारी कर सकते हैं। कृषि भूमि पर अकृषि कार्यों में बिना भू-रूपांतरण के उपयोग करने पर तहसील प्रशासन कानूनी कार्रवाई कर सकता है। तहसील प्रशासन भू राजस्व अधिनियम की धारा 90ए के तहत नोटिस देने के साथ संबंधित भूमि से पार्टी को बेदखल कर सकता है। एसडीएम संबंधित भूमि को राजकीय घोषित कर सकता है, लेकिन जिले में सैकड़ों की संख्या में प्लाटिंग हो चुकी है, लेकिन राजस्व विभाग अपनी टोपी, दूसरे के सिर और दूसरा-तीसरे को पहनाने में लगा हुआ है।

लंबित हैं मामले

संभागीय मुख्यालय से सटे ग्रामों में खेतों की बिक्री आवासीय प्लाट के रूप में बेधडक़ हो रही है। इन खेतों को प्लाटिंग करने वाले लोग पहले कच्ची सडक़ तैयार करते हैं। इसके बाद वहां अपने तरीके से प्लाटिंग करते हैं। कृषि योग्य भूमि को प्लाट के रूप में विकसित कर खरीदी-बिक्री के लिए नियमानुसार डायवर्शन करना पड़ता है। एक से अधिक प्लाट काटने के बाद नियमानुसार कालोनाइजर एक्ट के तहत सभी फार्मेलिटी पूरी करने के बाद उसकी खरीदी -बिक्री होनी चाहिए, लेकिन बिना पंजीयन के ही न केवल आवासीय कालोनी डेवलप हो रही हैं, बल्कि खेत-खलिहान की आवास के रूप में धड़ल्ले से अवैध प्लाटिंग भी हो रही है। कोयलारी सहित चांपा, पोंगरी, गोरतरा, पचगांव, छतवई में ऐसी कई कालोनियां हैं, जिनके अवैध प्लाटिंग के मामले विभागों में लंबित है।

विद्युत विभाग का अहम रोल

एमपी. रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथारिटी (रेरा) के नियमानुसार किसी भी कालोनाइजर को जमीन की प्लाटिंग करने से पहले रेरा में रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। इसके अलावा प्लाट बेचने से पहले वहां जन सुविधाओं से जुड़ी चीजें नाली, सडक़, बिजली व पानी का इंतजाम, सीवर, खेल मैदान आदि की सुविधा उपलब्ध कराएगा। संभागीय मुख्यालय से सटी बन रही अवैध कालोनियां आज भी इन मूलभूत सुविधा से वंचित हैं। इस पूरे खेल के पीछे रजिस्टार कार्यालय, राजस्व विभाग के साथ ही विद्युत विभाग का अहम रोल है, अगर किसी व्यक्ति को अपने घर पर मीटर लगवाना है तो, तमाम नियम कानून बताये जाते हैं, लेकिन अवैध प्लाटिंग वालों से सेटिंग होने चलते प्लाट बिक्री होने से पहले ट्रांसफार्मर लगा दिया जाता है और टीसी कनेक्शन दे दिया जाता है।

करोड़ों का लगाया जा रहा चूना

संभागीय मुख्यालय में चल रही प्लाटिंग में लगभग 90 प्रतिशत का नक्शा पास नहीं है। साथ ही यह प्लाटिंग मानक भी पूरा नहीं कर रही है। ऐसे में जो लोग प्लाट लेने जा रहे हैं या ले चुके हैं, दोनों खतरे में हैं। प्लाट बेचने वाले दलाल और भू-माफिया ने आप को बहला-फुसलाकर रजिस्ट्री करा दी। पर न तो जमीन की कीमत के मुताबिक स्टांप लगाए और ना ही कृषि योग्य जमीन को आवासीय जमीन में परिवर्तित कराया। ऐसे में आप भले ही घर बनवा चुके हो, पर कभी भी प्रशासन का एक नोटिस आपके घर को गिराने के लिए काफी है। सरकार को भी यह माफिया करोड़ों के राजस्व का चूना लगा रहे हैं। नियम के मुताबिक प्लाटिंग में 30 फीट चौड़ी सडक़ होनी चाहिए। भूखंडों के बीच में पार्क होना चाहिए। सीवेज सिस्टम होना चाहिए। कृषि जमीन को आवासीय में परिवर्तित होनी चाहिए, लेकिन भू-माफिया किसान से एग्रीमेंट करा कर सीधे प्लाटिंग चालू कर देते हैं।

शराब ओव्हर रेट, समय का ठेकेदार को ध्यान नहीं

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर में संचालित अंग्रेजी शराब दुकान के ठेकेदार आबकारी नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। आबकारी विभाग और शराब ठेकेदार मिलकर खरीदारों को लूट रहे हैं, खुलेआम तय रेट से अधिक दाम पर शराब बेची जा रही है, यहां तक कि बिल मांगने या बहस करने वाले खरीदारों के साथ गाली-गलौज व अभद्रता की जाती है, इसको लेकर शिकायतें भी होती रहती है, लेकिन आबकारी विभाग इन सब से बेखबर है, नतीजा धड़ल्ले से ओव्हर रेट शराब की बिक्री हो रही है। जयसिंहनगर क्षेत्र में शराब की दुकान पर अंधेरगर्दी चल रही है, दुकानों के बाहर खरीदारों को बिल लेने वाली सूचना तक भी अंकित नहीं की गई है, जबकि नियम के मुताबिक शराब दुकान के सामने लिखा जाना चाहिए कि सुविधा के लिए बिल की डिमांड कर सकते हैं।

सडक़ पर घूमते हैं शराबी

दुकानों को समय अवधि खत्म होने के बाद भी दुकानों को संचालित कर रहे हैं, जिससे आए दिन लड़ाई झगड़े की स्थिति पैदा हो रही है। इसकी जानकारी आबकारी विभाग के अधिकारियों को है। बावजूद इसके कार्रवाई को लेकर अनदेखी की जा रही है। जबकि रात में नगर की सडक़ों पर शराबी झूमते और गाली गलौज करते हुए देखे जा सकते हैं। इसके अलावा ओव्हर रेट शराब तो बेची ही जाती है, लेकिन बिल नहीं दिया जाता। शराब ठेकेदार मनमाने तरीके से अपनी दुकान खोलने और शराब बेचने का काम कर रहा हैं। इससे नगर में बस स्टैंड पर नशा करने वाले का बोलबाला बढ़ गया है और वे उत्पात मचाकर लोगों को परेशान करते हैं। जयसिंहनगर बस स्टैण्ड में ठेका संचालित हो रहा है, शराब दुकान रात में बंद होने के निर्धारित समय रात 11 के बाद भी 12 से 1 बजे तक खोले जाने की चर्चा है, शराब की दुकान खुलने का समय सुबह 8.30 व 9.30 बजे से शराब बिक्री प्रारंभ करने की अनुमति है।

ठेकेदार को खुला संरक्षण

जयसिंहनगर क्षेत्र में शराब का अवैध कारोबार जमकर फल-फूल रहा है, ठेकेदारों की सप्लाई गांव-गांव तक पहुंच गई है। जहां तय ठिकानों पर शराब धड़ल्ले से बिक रही है। इधर आबकारी विभाग के जिम्मेदार अफसर अनजान बने बैठे हैं। नशे की अवैध दुकानें संचालित होने से युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में तेजी से आ रही है। खास बात यह है कि जयसिंहनगर पुलिस की कार्रवाई भी कच्ची महुआ शराब पकडऩे तक सिमट चुकी है, लेकिन आबकारी विभाग ने कच्ची महुआ शराब से भी अनदेखी कर रखी है। ठेकेदार द्वारा ढ़ाबों, होटलों को भी निशाना बनाया गया है और यह बैठाकर पिलाने की सुविधा दी जाती है, इस पूरे खेल में आबकारी विभाग का खुला संरक्षण ठेकेदार को प्राप्त है।

आदमखोर बाघ का किया गया रेस्क्यू

शहडोल। जिला प्रशासन के निर्देश पर वन विभाग के अधिकारियों ने शनिवार को उस आदमखोर बाघ का रेस्क्यू कर लिया जो आए दिन ग्राम बोचरो एवं आसपास के रहवासियों के लिए खतरा बना था और उनके मवेशियों का शिकार करता था। संजय गांधी टाइगर रिजर्व के उपवन मंडल अधिकारी नरेंद्ररवि ने बताया कि शनिवार को शाम लगभग 5 बजे संजय गांधी टाइगर रिजर्व के तीन हाथियों एवं वन विभाग की रेस्क्यू टीम के द्वारा बाघ का रेस्क्यू किया गया है। बाघ ब्यौहारी क्षेत्र के कई गांव में आतंक का पर्याय बन चुका था, जिससे ग्रामीणों में भय एवं का माहौल बना हुआ था।एसडीओ रवि ने बताया कि ब्यौहारी वन परिक्षेत्र के गोइंदर बीट में बाघ का रेस्क्यू किया गया है। बाघ का मूवमेंट अधिक था लेकिन रेस्क्यू टीम द्वारा सर्चिंग किए जाने के दौरान बाग गोइंदर बीट में पाया गया जिसे टाइगर रिजर्व के तीन हाथियों की मदद से रेस्क्यू कर संजय गांधी टाइगर रिजर्व ले जाया गया है । बाघ के रेस्क्यू किए जाने के बाद क्षेत्रीय ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। और विभागीय अधिकारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है।

उमरिया में लेप्टोस्पाइरासिस से दो लोगों की मौत 10 संक्रमितों का जबलपुर में चल रहा इलाज

उमरिया।

लेप्टोस्पाइरासिस से जिले में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है और दस लोगों का अभी भी जबलपुर में उपचार कराय जा रहा है। उमरिया जिले में तीस अन्य रोगी भी मौजूद हैं, जिनका उपचार यहीं किया जा रहा है। नोडल अधिकारी अनिल सिंह ने बताया कि मरीजों को दवाइयों प्रदाय की गई हैं एवं स्वास्थ्य विभाग की रेपिड रेस्पांस टीम के द्वारा नियमित रूप से मरीजों की सतत निगरानी की जा रही है।

आई.सी.एम.आर. जबलपुर की लैब के द्वारा 18 मार्च 2024 को प्रदाय रिपोर्ट में लेप्टोस्पाइरासिस बीमारी के तीन पॉजिटिव मरीज उमरिया जिले के पाये गये है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपरोक्त तीनों मरीजों की घर पहुंचकर पुष्टि की गई एवं तीनों स्थानों पर रैपिड रिस्पांस टीम के दल द्वारा पीड़ित मरीज के घर एवं उसके आस.पास के घरों में रहने वाले लोगों की डोर टू डोर लेप्टोस्पाइरासिस बीमारी के लक्षणों की जानकारी ली गई। स्वास्थ्य विभाग की रेपिड रेस्पांस टीम के द्वारा नियमित रूप संभावित लक्षण वाले मरीजों की सतत निगरानी की जा रही है। लेप्टोस्पाइरासिस बीमारी के अब तक 135 लोगो के सेंपल लिए गए है।

पॉजीटिव मरीजो की संख्या 33 है।

अनिल सिंह ने बताया कि आर्या पटेल पिता रामधुरव पटेल उम्र 3 वर्ष निवासी ग्राम नौगवा विकासखण्ड मानपुर की मृत्यु 14 फरवरी 2024 मेडिकल कॉलेज जबलपुर में ईलाज के दौरान हो गई। अजय बैगा पिता रमाकान्त बैगा उम्र 13 वर्ष निवासी ग्राम सेमरा, विकासखण्ड मानपुर की मौत दिनांक 21 फरवरी 2024 को मेडिकल कॉलेज जबलपुर में ईलाज के दौरान हो गई। कपिल सचदेव पिता श्री महेश सचदेव उम्र 35 वर्ष, निवासी शांती मार्ग उमरिया, जो कि दिनांक 16 फरवरी 2024 से मेडिकल कॉलज जबलपुर में ईलाजरत है। संबधित ग्राम के पालतू पशुओं के 10 सेम्पल कलेक्शन जांच के लिए 2 अप्रैल 2024 को आई.सी.एम.आर. लैब जबलपुर भेजे गये जिनकी रिपोर्ट लंबित है।नोडल अधिकारी अनिल सिंह ने बताया कि लेप्टोस्पाइरासिस का कारण बनने वाले वैक्टीरिया संक्रमित जानवरों मुख्य रूप से चूहा एवं कई तरह के अलग.अलग जंगली और घरेलू जानवरों के मूत्र के माध्यम से फैलते है जो पानी या मिट्टी में मिल सकते है और वहां हप्तों से लेकर महीनों तक जीवित रह सकते हैं। यह संक्रमित जानवरों से मनुष्यों को संक्रमित करते हैं। यह जूनोटिक बीमारी कहलाती है एवं यह गैर संक्रामक बीमारी है। लेप्टोस्पाइरासित दो चरणो में हो सकता है पहले चरण में रोगी को बुखार, ठण्ड लगना, सिर दर्द, मांस पेशियों में दर्द, उल्टी आना, दस्त लगना, घबराहट होना आदि होते है। कुछ समय के लिये रोगी ठीक हो सकता है लेकिन फिर से बीमार हो जाता है। दूसरे चरण में रोगी अधिक गंभीर होता है रोगी को किडनी या लीवर फेलियर या मैनिनजाइटिस हो सकता है।लेप्टोस्पाइरासिस बीमारी की जॉच हेतु आई.जी.एम. टेस्ट के द्वारा कन्फर्म किया जाता है। यह जाँच आई.सी.एम.आर. लैब जबलपुर में होती है। जिसकी रिपोर्ट 15 से 20 दिवस तक लैब द्वारा प्रदाय की जाती है। लेप्टोस्पाइरासिस का लैब टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद डॉक्टर की सलाह अनुसार पैनीसिलीन और डाक्सीसाईक्लीन एन्टी वायोटिक एवं लक्षणो के आधार पर भर्ती कर समुचित उपचार किया जाता है। लेप्टोस्पाइरासिस बीमारी से सावधान रहने के लिये अपने-अपने घरों में मुख्यतः चूहों को पकडऩे हेतु चूहेदानी का इस्तेमाल करना एवं खाने-पीने की वस्तुओं को ढंककर रखना एवं बुखार आने पर नजदीकी अस्पताल में सम्पर्क कर खून की जांच कराना अनिवार्य है। बीमारी का समुचित ईलाज संभव है। घबराने एवं डरने की आवश्यकता नहीं है। स्वयं दवाई लेने से बचना है, बीमारी के लक्षण आने पर डॉक्टर की सलाह अनुसार उपचार लेना अत्यंत आवश्यक है।

पुलिस की सक्रियता से धोखाधड़ी से गया पैसा हुआ वापस

उमरिया। जिले के सायबर सेल ने बांधवगढ़ जंगल सफारी के लिए आई पश्चिम बंगाल निवासी पर्यटक के साथ 04 लाख 67 हजार रूपये की धोखाधड़ी पर तत्काल कार्यवाही की, मामले में कार्यवाही कर फ्राड लेनदेन को निरस्त कराकर पीड़िता के खाते में पैसे वापिस कराने की प्रक्रिया पूर्ण कराई, अज्ञात सायबर अपराधियो द्वारा 27 अप्रैल को कैब बुकिंग के नाम पर की गई पीड़िता के साथ धोखाधड़ी की थी। 27 अप्रैल की रात करीब 09 बजे पीड़िता सोनाली घोष निवासी सिलीगुड़ी पश्चिम बंगाल जो कि बांधवगढ़ में घूमने के लिये आई हुई है, फोन कॉल के माध्यम से साइबर सेल में सूचना दी कि पीड़िता बांधवगढ़ जंगल सफारी के लिये परिवारजनो के साथ आई है एवं बांधवगढ़ के किसी रिसोर्ट में ठहरी हुई है । पीड़िता द्वारा वापिस जाने के लिये कैब (वाहन) बुक करने का प्रयास किया जा रहा था, जिसके लिये उन्होंने कैब (वाहन) ऑनलाइन बुक करने के लिये गुगल के माध्मय से एक नंबर प्राप्त किया, जिस पर कॉल कर उन्होंने कैब बुक करने की बात कही, थोड़ी देर बाद उन्हे दूसरे नंबर से कॉल आया और उसने पीड़िता को बताया कि आपकी कैब बुक हो जाएगी, उसके लिये पहले आप पेमेंट करने का माध्यम चुने उसके पश्चात आपके नंबर पर एक ओटीपी आयेगा, उसको हमें बताये तो आपके लिये कैब बुक हो जायेगी । पीड़िता ने फोन कॉलर के बताये अनुसार अपने क्रेडिट कार्ड का नंबर और उसके बाद ओटीपी कॉलर को बता दिये, इसी दौरान कॉलर नें यह कहकर कि ओटीपी गलत बता रहा है, फिर से ओटीपी बताईये इस तरह 03-04 बार ओटीपी लेकर पीड़िता के साथ 04 लाख 67 हजार रूपये की धोखाधड़ी कर ली गई । कुछ समय पश्चात पीड़िता को कॉलर पर संदेह हुआ तो, उसने अपने नंबर पर आये हुये ओटीपी वाले मैसेज को ध्यान से पढ़ा, जिससे उन्हें पता चला कि वह धोखाधड़ी का शिकार हो गईं है । पीड़िता ने मामलो के समझते हुए तत्काल सायबर सेल उमरिया में अपने साथ हुई धोखाधडी की सूचना दी साथ ही पुलिस चौकी ताला में भी लिखित शिकायत दर्ज कराई ।सायबर सेल उमरिया नें पीड़िता की शिकायत मिलने पर पुलिस अधिकारी द्वारा पूर्व से जारी सायबर अपराधों पर तुंरत विधिसंगत कार्यवाही करने के निर्देशो के पालन में मामले में कार्यवाही प्रारंभ की गई । मामले में सायबर सेल द्वारा पीड़िता के नंबर पर प्राप्त मैसेज का अवलोकन के पश्चात फ्राड लेनदेन जिस प्लेटफार्म के माध्यम से किये गये थे, तत्काल उनसे संपर्क कर उक्त फ्राड लेनदेन को निरस्त कराया गया साथ ही संपूर्ण पैसे वापिस करने को कहा गया, जिस पर संबंधित प्लेटफार्म के नोडल अधिकारी द्वारा 06-07 दिनो में पीड़िता के मूल खाते में संपूर्ण पैसे वापिस आने की बात कही है ।

नव प्रशिक्षित आरक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

शहडोल। मध्यप्रदेश पुलिस प्रशिक्षण शाखा द्वारा आरक्षक संवर्ग में प्रशिक्षण व सिखलाई को और बेहतर करने के लिए शोध कार्य प्रारम्भ किया गया है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान के नेतृत्व में पुलिस प्रशिक्षण शाखा भोपाल की टीम निरीक्षक ज्योति शुक्ला एवं निरीक्षक करण सिंह मरावी द्वारा 27 अप्रैल को विराट सभागार में नव प्रशिक्षित आरक्षकों को उनकी थाने की विशेष कार्य प्रणाली में रूझान विकसित कर उनके कार्य सम्पादन के स्तर को वरीयता प्रदान करते हुए उनके कार्य करने की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण दिया गया।

इस मेंटरशीप प्रोग्राम के माध्यम से थाने में ही पदस्थ अनुभवी आरक्षक, प्रधान आरक्षक एवं एएसआई स्तर के अधिकारी-कर्मचारी नवागत प्रशिक्षित आरक्षक को दैनंदिनी कार्य में मार्गदर्शन प्रदान करेंगे तथा उन्हे एक सशक्त तथा जिम्मेदार कर्मचारी बनाने में सहायता प्रदान करेंगे। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में थाना देवलोंद, ब्यौहारी, गोहपारू, बुढार, धनपुरी एवं खैरहा से अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए।

संजय गांधी ताप विद्युत परियोजना प्रबंधन की नई उपलब्धि सौ दिन से लगातार उत्पादन कर रही दो नंबर यूनिट

उमरिया। जिले के बिरसिंहपुर पाली में स्थित संजय गांधी ताप विद्युत परियोजना के मुख्य अभियंता शशिकांत मालवीय के कुशल मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता जगदीश चंद्र जुनेवाल के कुशल नेतृत्व में पॉवर प्लांट के सभी अभियंताओं के अथक प्रयास एवं लगन से परियोजना की इकाई क्रमांक दो लगातार विद्युत उत्पादन कर अपने पूरे सौ दिन पूर्ण कर लिए है। संजय गांधी ताप विद्युत गृह के दक्ष एवं कुशल मुख्य अभियंता शशिकांत मालवीय ने बताया कि इस इकाई को वर्ष 1994 में क्रियाशील किया गया था। उपलब्ध दस्तावेज के अनुसार 30 वर्ष की अवधि में प्रथम बार इस इकाई ने यह उपलब्धि हासिल की है। इन्होंने बताया कि इकाइयों के पुरानी होने के उपरांत भी उचित रूप से रख रखाव एवम कुशल प्रबंधन के कारण इकाई की कार्य क्षमता में वृद्धि हुई है, जिसके परिणाम स्वरूप यह इकाई 90 प्रतिशत से अधिक छमता पर लगातार उत्पादन कर रही है। श्री मालवीय ने कहा कि इकाई के इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मैं सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूं। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि शासन एवं कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह की कुशल नीतियों एवं संबंधित पावर हाउस के कुशल अनुभवी एवम तकनीकी दक्ष अतिरिक्त मुख्य अभियंता जे.सी . जुनेवाल, अधीक्षण अभियंता नीरज पांडेय, राजीव भटनागर, श्री गड़ेवाल तथा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कड़ी मेहनत का परिणाम हैं। उल्लेखनीय है कि पॉवर परियोजना प्रबंधन को यह पहली बार उपलब्धि हासिल हुई है कि उक्त यूनिट बिना बाधित हुए पूरे सौ दिन लगातार विद्युत उत्पादन का रिकार्ड बनाया है। संजय गांधी ताप विद्युत परियोजना में यह उपलब्धि मुख्य अभियंता शशिकांत मालवीय के पदस्थापना के उपरांत हासिल हुई है, जिसको लेकर पॉवर प्लांट प्रबंधन में हर्ष का माहौल बना हुआ है।

कैटल लोन के नाम पर चल रहा स्कैम

पशु पालकों को निशाना बना रहे दलाल और बैंककर्मी

बैंकिंग सिस्टम में करप्ट अधिकारी किसानों और पशुपालकों के नाम पर पैसे डकारने का नया खेल-खेल रहे हैं, पशु पालकों के लिए केन्द्र सरकार द्वारा जारी पैसों के बंदरबांट का यह खेल उमरिया जिले में खेला जा रहा है, जहां पशु पालकों को लोन दिलाने के नाम पर कमीशन लेकर बाद में पूरा लोन माफ कराने का भी षड्यंत्र रचा गया है।

उमरिया।

सरकार द्वारा किसानों के उत्थान के लिए आये दिन नई-नई योजना बनाती है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक हो सके, इसी क्रम में बैंक के माध्यम से किसानों को दुधारू पशुओं पर लोन उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसके तहत किसानों का दुधारू भैंस पर 80 हजार और गाय पर 60 हजार रूपये लोन उपलब्ध कराया जा रहा है, इसके लिए किसानों को बैंक के पास अपनी जमीन गिरवी रखने की जरूरत नहीं पड़ती, बैंक में दुधारू पशु की जानकारी के देने के बाद बैंक का सर्वे कर्मचारी जानवरों का वैरीफिकेशन करता है, किसान का सिविल सही है तो, उसे 15 दिनों के अंदर लोन उपलब्ध हो जाता है, इस पूरे प्रोसेस में लगभग 15 दिनों का समय लगता है, जिसमें पशुओं का हेल्थ सर्टिफिकेट के साथ ही लोन के साथ पशुओं का बीमा हो जाता है।

बैंक कर्मचारियों की मिली भगत

सरकार की कई योजनाओं के तहत बैंकों से आसानी से लोन मिलना आसान नहीं है। ऐसा ही कई लोगों ने बताया कि बैंकों से लोन अधिकांश उनको ही मिल रहा है, जो दलालों के माध्यम से लोन के लिए प्रयास कर रहे हैं। बैंकों में दलाली प्रथा में आई तेजी से कई लोग परेशान है। खासकर के छोटे-छोटे लोन लेने वाले आवेदक है। जिले में कैटल लोन के नाम पर बैंक में दलाल सक्रिय हैं, जिनके द्वारा किसानों से एक फिक्स कमीशन लेकर लोन पास करा दिया जाता है, इस पूरे खेल में बैंक के कर्मचारियों की मिली भगत किसी से छुपी नहीं है।

किया जा रहा बड़ा स्कैम

बीते माहो में जितने भी कैटल लोन पास किये गये हैं, उसमें जमकर फर्जीवाड़े की खबर इन दिनों चर्चाओं में है, बैंक के कर्मचारी के साथ मिलकर एक दलाल जिन किसानों के पास पशु उपलब्ध नहीं हैं, उनके नाम पर भी लोन करा दिया गया है, सर्वे टीम जब सर्वे के लिए जाती है तो, पशुओं के कान पर टैग लगाती है और उसका जानवर का बीमा करती है, बीते माहों में एक परिवार के पास पशु न होने के बावजूद लोन पास हो गया और लगभग 1 लाख रूपये कमीशन लोन पर ले लिया गया, इसके पीछे का खेल अभी बाकी है, जिसमें पशुओं का टैग काट कर निकाल लिया जायेगा और जहां मृत पशु मिलेगा, उसके पास रखकर पूरा लोन माफ कर दिया जायेगा।

दल गठित कर हो जांच

पशुओ के चारे के नाम पर पशुहीन ग्रामीणों बैंक के दलाल निशाना बना रहे हैं, जिन लोगों के पास पशु नहीं है, उनके पड़ोसियों के पशुओं के नाम पर लोन उपलब्ध कराया जा रहा है, इसके लिए तयशुदा कमीशन दलाल वसूल रहे हैं, इसमें बैंक के अंदर तक के लोग मिले होने की खबर है, बीते माहों में पास हुए कैटल लोन और पशुओं का मिलान दल गठित कर कराई जाये तो, उमरिया जिले में बड़ा स्कैम सामने आयेगा, जिसमें कई लोग फंसते नजर आयेंगे, अगर समय रहते आपराधिक कृत्य करने वाले लोगों को हवालात में नहीं डाला गया तो, बैंक की छवि तो धूमिल होगी ही, साथ ही गरीब किसान लोन न चुका पाने के फेर में खुदकुशी करते नजर आयेंगे।

गांवों में नशा मुक्ति को लेकर चलाया गया जागरूकता अभियान

नारों के माध्यम से किया जागरूक, दिलाई शपथ

उमरिया।

नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान का आयोजन कर नशे के दुष्परिणाम बात कर लोगों को फैला रहे जागरूकता। इसी क्रम में ग्राम पंचायत गोरइया में नशा मुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर उपस्थित सभी युवाओं को नशा न करने हेतु शपथ दिलाई गई।इस अवसर पर सेहत के साथ साथ समाज में नशा से होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से लोगों को बताया गया।

टीम लीडर हिमांशु तिवारी ने बताया कि नशा करने वाले व्यक्ति के साथ इसका दुष्प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। इस अभियान के दौरान लोगों को नशा छुड़ाने के साथ युवाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है।अनेक युवा जो नशे में किसी कारणवश फंस जाते हैं और फिर उसने नशे की पूर्ति के लिए कोई भी आपराधिक वारदात करने से नहीं हिचकते हैं। नशा अपराध मुक्त समाज की स्थापना के लिए हम सभी को मिलकर कदम उठाने होंगे, तभी यह मुहिम सार्थक होगी।नशा मुक्ति से ही देश एवं समाज की तरक्की संभव है। नशे ने हमारे समाज को खोखला कर दिया है और हमारी युवा पीढ़ी को बर्बादी की कगार पर ले कर जा रहा है। भारत को नशा मुक्त बनाने के लिए हम सभी को जागरूक होकर समाज को भी जागरूक करना होगा।युवा टीम सदस्यों ने हम सभी का यही नारा नशा मुक्त हो देश हमारा, हमें यहीं बताना है, नशे को दूर भगाना है। आदि प्रेरक नारे लगाए।इस दौरान समाजसेवी खुशबू सिंह,युवा हिमांशु तिवारी, खुशी सेन, विद्या तिवारी, राहुल सिंह,कशिश सेन, दीप्ति सिंह,श्रीराम तिवारी,स्वाति सेन, करिश्मा सेन व सभी उपस्थित रहे।

समर कैम्प का आयोजन 1 मई से 31 मई तक

उमारिया।

परीक्षाओ की समाप्ति के बाद जिले में ग्रीष्मकालीन खेलकूद, सांस्कृतिक व चित्रकला के कार्यक्रम आयोजित किए जाएगे। शिविर लगाकर ग्रामीण व शहरी प्रतिभाओं को उनकी रूचि के अुनसार विविध कलाओ व खेलो मे पारंगत बनाया जाएगा। कमिष्नर बीएस जामोद ने इस संबंध में निर्देश जारी कर कहा है कि संभाग में योगा, पीटी, फुटबाल, खोखो, कबडडी, बालीबाल, हैण्डबाल, कराते, सपक टकरा, लाठी बार्कसिग , सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं चित्रकला कार्यक्रम प्रातः 5.30 बजे से 8 एवं शाम 4.30 बजे से सायं 7 बजे तक आयोजित किये जाये ।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जिले में ग्रीष्म अवकाश में समर कैम्प आयोजित करने के निर्देश के परिपालन में जिले मे चिन्हित स्थलों पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग एवं शिक्षा विभाग द्वारा 1 मई 2024 से 31 मई 2024 तक समर कैम्प आयोजित किये जायेगें। समर कैम्प की गतिविधियों के संचालन के लिए अभय सिंह ओहरिया मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उमरिया को मॉनीटरिंग अधिकारी नियुक्त किया गया है। समर कैम्प में बॉलीबाल , हैंडबॉल, हॉकी, क्रिकेट,कबड्डी, फुटबॉल, खो, खो, एथलेटिक्स कराते,सायं कालीन विधाएं वादन, गायन, नृत्य चित्र कला, कूल डाउन एक्सरसाइज, बैटमिंटन की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। समर कैम्प में कक्षा 6 से 12 तक के छात्र सम्मिलित होंगे। समर कैम्प प्रतिदिन प्रातः 5.30 से 8 एवं सायं काल 4.30 से 7 तक चिन्हित गतिविधियों के साथ सम्पादित की जायेगी। प्रातरू 5.30 बजे से 6 बजे तक सामूहिक रूप से योगासन, 6 बजे से 6.30 बजे तक सामूहिक पी.टी., 6.30 बजे से 7.30 तक विधापार खेल के कौसानों का अभ्यास, 7.30 बजे से 8 बजे तक सभी आयोजित खेलों के लिखित तौर पर जानकारी नीट कराया जायेगा एवं 8 बजे सामूहिक विसर्जन किया जायेगा) तथा द्वितीय चरण (समय शाम 4.45 बजे से 5.5 बजे तक समूहिक वार्मअप, 5.10 बजे से 6.30 बजे तक खेलों पर आयोजन मनाना, 6.30 बजे से 7 एक्सरसाईस, एवं खेल फलास कर सामूहिक विसर्जन कराना) समर कैम्प में स्पोर्टश सामग्री बेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आवश्यकता अनुसार प्रदाय किया जावेगा। प्रातः 6.30 बजे से 7.30 बजे तक प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम वादन, गायन, चित्रकला आदि कलाओं कर आयोजन किया जायेगा, इसमें वहीं प्रतिभोगी भाग लेंगे जो खेल विधाओं में भाग नहीं ले रहे है।

शालाओं समर कैम्प हेतु चिन्हित स्थल पर फर्स्टैण्ड बोक्स एवं एक मेडिकलर सहयोगी गलूकोज एवं ओ.आर.उस सहित उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी संबंधित क्षेत्र के अधिकारी की होगी । जिला मुख्यालय पर उक्त व्यवस्था मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला उमरिया द्वारा की जावेगी। प्रत्येक समर कैम्प स्थान पर सीमायरल को ध्यान में रखते हुये शुद्ध पेयजल (आर.ओ. वैज्पर) की व्यवस्था समर वैक्य हेतु नियत प्रभारी द्वारा विद्यालय में उपलब्ध रेड क्रास निधि से की जा सकेगी। स्थलों पर सम्मिलित होने वाले खिलाडियों छात्र छात्राओं का पंजीयन संबंधित प्राचार्य द्वारा किया जावेगा। शिविर के देख रेख सम्पूर्ण

जबाबदारी खेल एवं युवा कल्याण विभाग को सौंपी गई है जो जनजातीय कार्य विभाग एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों से शिविर समन्वय स्थापित कर शिविर को सुचारू रूप से संचालित कर सफल बनाना सुनिश्चित करेंगे। शिविर में भाग लेने वाले खिलाड़ी के साथ-साथ नए खिलाड़ी सासकर ग्रामीणजन जो खेल विधाओं से परिचित नहीं है। ऐसे खिलाड़ी बच्ची को उनकी प्रतिमा, खेल कौशल को देखते हुए उन्हें इस खेल से जोड़ा जाए जिसमें यह आगे एक अच्छा खिलाड़ी बन सके। समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है दिये गये निर्देशों क्प क्लाई से पालन किया जाना सुनिश्चित करे।

अचानक बदला मौसम का मिजाज

तेज आंधी ने बाधित की विद्युत व्यवस्था

कोतमा।

जिले में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ नजर आ रहा है। अप्रैल महीने के दौरान लोगों को भीषण गर्मी और लू से निजात मिली हुई है। मौसम विभाग का कहना है कि देश में अगले कुछ दिनों तक हीटवेव चलने की संभावना नहीं है। मौसम विभाग की ओर से बारिश होने की संभावना जताई गई है। रविवार को कोतमा सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र में सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए थे सुबह 8:30 बजे लगभग 15 मिनट तक तेज आंधी तूफान चलने के साथ ही 15 मिनट तक बारिश हुई इसके बाद करीब आधे घंटे तक रुक रुक कर रिमझिम बारिश होती रही। दोपहर 12 बजे से कड़ाके की धूप निकल गई। बारिश होने के कारण मौसम में ठंडक भूल गई और लोगों ने कड़ाके की धूप एवं लू से राहत की सांस ली। वही जिला मुख्यालय में भी दोपहर बाद तेज आंधी तूफान के साथ बारिश हुई और इसके बाद कड़ाके की धूप निकल गई। हालांकि आंधी तूफान से किसी प्रकार की जनहानि होने की जानकारी अभी तक नहीं आई है।

बाधित हुई विद्युत सप्लाई

रविवार को अचानक आए मौसम में बदलाव के कारण सुबह 8:30 के लगभग तेज आंधी तूफान चलने के कारण विद्युत विभाग को काफी नुकसान हुआ है लगभग एक लाख रुपए का सामान विद्युत विभाग बदला है। सहायक अभियंता राहुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि रविवार को सुबह 8:30 बजे तेज आंधी तूफान चलने के कारण पैरीचुआ मएनटओलआ गांव के पास 33 के वी लाइन का इंसुलेटर पंचर हो गया। चंगेरी गांव में 11 के वी लाइन का तार टूट गया इंसुलेटर पंचर हो गया। थानगांव मे ट्रांसफार्मर के ऊपर विशाल का पेड़ गिरने के कारण डीपी टूट गई । जिसके कारण बिजली ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र तथा निगवानी ग्रामीण क्षेत्र की विद्युत सप्लाई लगभग 4 घंटे बाधित रही। विद्युत विभाग के कर्मचारियों के द्वारा तुरंत मेंटेनेंस का कार्य शुरू कर दिया गया और बिजली सप्लाई बहाल की गई। कोतमा नगर में भी लाइनों में हार्ट आने के कारण विद्युत सप्लाई बाधित रही लेकिन जल्दी ही सुधार कर करवाते हुए विद्युत सप्लाई बहस कर दी गई।

प्रवीण्य सूची में दर्ज विद्यार्थियों को आनंदम दीदी कैफे में किया जाएगा सम्मानित

डिंडौरी । कलेक्टर विकास मिश्रा के द्वारा आनंदम्‍ दीदी कैफे डिंडौरी में 27 अप्रैल दिन शनिवार को शाम 5 बजे कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं में राज्य एवं जिला स्तर पर प्रवीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। 12वीं की प्रवीण्य सूची के अनुसार नंदनी मलगाम, अमोल राय, अक्षत शर्मा, दुर्गावती अग्रवाल, ओम गुप्ता, श्रेया कछवाहा, अजय कुमार ठाकुर, गरिमा कोहली, अंशिता चैरसिया और पूर्णिमा झरिया को सम्मानित किया जाएगा। वहीं 10वीं की प्रवीण्य सूची के आधार पर काकुल साहू, ध्रुव कुमार साहू, समीक्षा साहू, सरस्वती पाराशर सहित अन्य विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। विद्याथियों को अभिभावकों के साथ उक्त सम्मान समारोह में आमंत्रित किया गया है।

अमर ज्योति विद्यालय के 35 में से 35 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण

अमरपुर। विगत दिवस माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा घोषित हाई स्कूल के परीक्षा परिणाम में जनपद पंचायत अमरपुर में संचालित अमर ज्योति विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। विद्यालय में दर्ज सभी 35 छात्र, छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किए। जिसमें विद्यालय की छात्र शिवमभान पिता रतिभान कुशराम ने 469 अंक प्राप्त कर 93.8 प्रतिशत अंक हासिल कर कक्षा में प्रथम स्थान, जयश्री चैकसे पिता राजेंद्र चैकसे एवं तनिया पंद्राम पिता सामसोन पंद्राम ने 464 अंक प्राप्त कर 92.8 प्रतिशत अंक हासिल कर द्वितीय स्थान प्राप्त किए एवं सरगम जंघेला पिता पारसमणी जंघेला ने 461 अंक प्राप्त कर 92.2 प्रतिशत अंक हासिल कर तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इन सभी छात्रों को विद्यालय के संचालक, प्राचार्य एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक स्टाफ द्वारा उज्जवल भविष्य की बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

लंबित सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के लिए विभागों को नोटिस जारी

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने 100 दिनों से अधिक लंबित सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के लिए जिम्मेवार विभागों को नोटिस जारी करते हुए 3 दिवस के अंदर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन के तहत 100 दिनों से अधिक लंबित शिकायतों के निवारण के लिए कलेक्टर श्री विकास मिश्रा ने जिला परियोजना अधिकारी, जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी, जिला श्रम अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सीईओ जनपद बजाग, सीईओ जनपद समनापुर, तहसीलदार शहपुरा, अमरपुर, और समनापुर को नोटिस जारी कर 3 दिन के अंदर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है।

शीघ्र बनेगा इको फ्रेंडली मन्दिर और पुनर्स्थापित होंगी मूर्तियाँ

अमरकंटक।

नर्मदा मैया की उद्गम नगरी अमरकंटक में वन विभाग की संदिग्ध कार्यवाही ने यहां के शांत माहौल मे दुस्साहसिक बखेडा खड़ा कर दिया है। वन विभाग के कुछ अधिकारियों कर्मचारियों पर द्वेषात्मक कार्यवाही करने का गंभीर आरोप है। यद्यपि घटना की जानकारी मिलते ही मामले की संगीनता को भांपते हुए जिला प्रशासन ने त्वरित कदम उठाए हैं। आरोप है कि अतिक्रमण विरोधी कार्यवाही के नाम पर विद्वेषात्मक और लापरवाह कार्यवाही की गयी है। जिसकी सार्वत्रिक निंदा हो रही है। वन विभाग ने जिस तरह से मामले से पल्ला झाड़ लिया है तो लोगों के मन में अब सवाल उठ रहे हैं कि ये कार्यवाही वन विभाग ने नहीं की है तो कहीं यह व्यक्तिगत गुण्डागर्दी का शिकार तो नहीं हो गया। अमरकंटक में माई की बगिया के समीप रुद्र गंगा आश्रम में तथाकथित रुप से वन विभाग द्वारा अतिक्रमण के नाम पर जमकर तोड़ फोड़ की गयी। मन्दिर आश्रम की मूर्तियाँ क्षतिग्रस्त की गयीं। आरोप लगाए गये हैं कि प्राण प्रतिष्ठित मूर्तियों के साथ बेकद्री करते हुए उन्हे भी तोड़ दिया गया। तस्वीरों, वीडियो मे भी मूर्तियाँ क्षतिग्रस्त दिख रही हैं। आश्रम के सभी कच्चे, अर्ध पक्के निर्माण, टीन की चादरों तक को जिस तरीके से तोड़ फोड की गयी है, वह इस कार्य में लगे लोगों के व्यक्तिगत गुस्से और कुंठा को प्रदर्शित कर रहा है। बड़ी क्रूरता और लापरवाही से अतिक्रमण विरोध के नाम पर खुन्नस निकाली गयी। आरोप वन विभाग पर और उसके रेंजर पर है जबकि वन विभाग के उच्चाधिकारी इससे पल्ला झाड़ रहे हैं। घटना प्रकाश में आते ही अमरकंटक के साधू संतों में नाराजगी फैल गयी।

कलेक्टर ने दिये जांच के आदेश

अनूपपुर जिला विकास मंच और फिर नाराज संत प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्टर आशीष वशिष्ठ को घटना की जानकारी देते हुए गहरी नाराजगी व्यक्त की गयी। मूर्तियों की बेकद्री, तोडफोड मामले की विधिवत सूक्ष्म जांच और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की मांग की गयी। कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना और जांच के लिये एसडीएम पुष्पराजगढ तथा वन विभाग के अधिकारियों की दो अलग - अलग टीम गठित कर अमरकंटक भेजा गया।

अधिकारियों की दो टीम मौके पर

शिकायत प्राप्त होने के अगले ही दिन शुक्रवार को कलेक्टर के निर्देश पर डीएफओ अनूपपुर, एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार पुष्पराजगढ, नगर निरीक्षक अमरकंटक सहित अधिकारियों की दो टीमों ने घटना स्थल का अवलोकन किया।

खबर संक्षेप

आज से होगी बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में तीन दिवसीय गिद्ध गणना

उमरिया। जिले में स्थित बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन ग्रीष्म कालीन गिद्ध गणना की तैयारियों में लगा हुआ है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 29 अप्रैल से तीन दिवसीय गणना होगी। गिद्ध गणना में टाइगर रिजर्व के अधिकारी-कर्मचारी क्षेत्र में जाकर प्रपत्र को भरकर क्षेत्र संचालक कार्यालय भेजेंगे। तीन दिवसीय गिद्ध गणना के लिए कर्मचारियों को जानकारी और प्रशिक्षण दिया गया है। टाइगर रिजर्व के नौ परिक्षेत्रों में गणना होगी। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के नौ परिक्षेत्र के 139 बीट में 500 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी गिद्धों की गणना करेंगे। अधिकारी कर्मचारी क्षेत्र में पैदल घूमकर गिद्ध गणना करेंगे। इस दौरान प्रपत्र में परिक्षेत्र, स्थान, संख्या और अन्य जानकारी भरकर क्षेत्र संचालक कार्यालय में जमा करेंगे। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के चार परिक्षेत्र ताला, पतौर, खितौली और पनपथा कोर एरिया में गिद्ध दिखाई देते हैं। बांधवगढ़ में मुख्य रूप से देशी गिद्ध, सफेद गर्दन वाले गिद्ध, राज गिद्ध, सफेद गिद्ध और यूरेशियन गिद्ध देखने को मिलते है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के उप संचालक पीके वर्मा ने बताया कि गिद्ध गणना की तैयारियां कर ली गई हैं। तीन दिन में गणना पूरी होगी।

छात्रों की प्रतियोगी परीक्षा का किया गया आयोजन

कोतमा। शनिवार को शिशु भारती इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल में सामान्य प्रतिभा छात्रवृति परीक्षा योजना के अंतर्गत कक्षा छठवीं से दसवीं तक के छात्रों की प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन किया गया। लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने इस प्रतियोगी परीक्षा में भाग लिया। जिसमें उत्तीर्ण वर्ग के अनुसार एक से डी वर्ग में उत्तीर्ण छात्राओं को मुफ्त ऑनलाइन क्लास संस्था द्वारा प्रमाण पत्र टैब मोबाइल ही एक साल तक फ्री इंटरनेट और 600 से 1500 तक छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इस प्रतियोगी परीक्षा को सफल बनाने में शिशु भारती विद्यालय के धीरेंद्र नाहर सामान्य फाउंडेशन के प्रोजेक्ट मैनेजर अजीत के आर का योगदान रहा।

गेहूं उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण

डिंडौरी । कलेक्टर विकास मिश्रा ने आज अमरपुर के गेहूं उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने गेहूं के उपार्जन की स्थिति का अवलोकन किया और आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने उपार्जन के बाद उठाव, परिवहन, भण्डारण आदि व्यवस्थाओ की जानकारी प्राप्त की बदलते मौसम के अनुसार पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए।

सभी जनपदों में आयोजित होगा रेवा हेल्थकैम्प

डिंडौरी । कलेक्टर श्री विकास मिश्रा ने 27 अप्रैल दिन शनिवार को सभी जनपद पंचायतों में रेवा हेल्थकैम्प आयोजित किया जाएगा। रेवा हेल्थ कैम्प की नोडल अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डिण्डौरी को नियुक्त किया गया है। उक्त रेवा हेल्थकैम्प विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी, महिला बाल विकास, आयुष विभाग के संयुक्त दल के आपसी समन्वय से स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध करायें जाने के उद्देश्य से आयोजन किया जाएगा। उक्त रेवा हेल्थकैम्प जनपद पंचायत डिंडौरी के वार्ड नम्बर 6 खनूजा कालोनी में, जनपद पंचायत शहपुरा के वार्ड नम्बर 15 बनवासी मोहल्ला, जनपद पंचायत अमरपुर के ग्राम पंचायत अंधियारखोह, जनपद पंचायत बजाग के ग्राम पंचायत पिपरिया, जनपद पंचायत डिंडौरी के ग्राम पंचायत अझवार, जनपद पंचायत करंजिया मेंहदवानी के ग्राम पंचायत चैबीसा, जनपद पंचायत समनापुर के ग्राम पंचायत फिटारी और जनपद पंचायत शहपुरा के ग्राम पंचायत बरखेडा में आयोजित किया जाएगा।

खबर संक्षेप

कमिश्नर 30 अप्रैल को करेंगे पेयजल व्यवस्था की समीक्षा

रीवा। रीवा संभाग के कमिश्नर गोपालचन्द्र डाड 30 अप्रैल को प्रातः 11.30 बजे से आयोजित गूगल मीट में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। इसमें जल जीवन मिशन से पेयजल की आपूर्ति, हैण्डपंपों के सुधार की व्यवस्था तथा पेयजल परिवहन की समीक्षा की जायेगी। बैठक में संभाग के सभी जिलों के जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, आयुक्त नगर निगम, संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन तथा पीएचई विभाग के अधिकारी शामिल रहेंगे।

कमिश्नर आज करेंगे विभिन्न कार्यों की समीक्षा

रीवा। शासन के निर्देशों के अनुसार विकास कार्यों की प्रगति एवं विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की संभाग स्तर पर समीक्षा की जा रही है। रीवा संभाग में 5 जनवरी तथा 12 फरवरी को आयोजित बैठकों में विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गयी। इन बैठकों में लिये गये निर्णयों पर विभिन्न विभागों के अधिकारी लगातार कार्यवाही कर रहे हैं। रीवा संभाग के कमिश्नर गोपालचन्द्र डाड 29 अप्रैल को दोपहर 12.15 बजे से कमिश्नर कार्यालय में आयोजित बैठक में संभागीय समीक्षा बैठक के एजेण्डा बिन्दुओं पर की गयी कार्यवाही की समीक्षा करेंगे। सभी संबंधित अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं।

घर से निकलते समय धूप और लू से बचाव के उपाय करें - डॉ. शुक्ला

रीवा। जिले में पिछले 4 दिनों में तापमान में तेजी से वृद्धि हुई है। प्रातः 10 बजे से ही गर्म हवाएं चलने लगती हैं जिसके कारण लू लगने की आशंका बढ़ गई है। जिले में 26 अप्रैल को अधिकतम तापमान 43 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। रात में भी तापमान लगातार अधिक बना हुआ है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शुक्ला ने आमजनों को लू से बचाव की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि लू से बचने के लिए जन सामान्य ज्यादा समय तक घर पर ही रहें। जिले में पिछले एक सप्ताह से तापमान में तेजी से वृद्धि हो रही है। दिन में 10 बजे के बाद गर्म हवाओं का प्रकोप हो जाता है। आमजन अतिआवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकले। जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलते समय पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। खाली पेट घर से बाहर न जायें। इससे लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। दिन में कम से कम 12 से 15 गिलास पानी जरूर पियें। लू से बचाव के लिए देशी घरेलू उपाय अपनाएं। बाहर निकलते समय सूती कपड़े से चेहरा और सर ढककर रखें तथा पानी साथ में जरूर रखें। पहनने के लिए सूती कपड़ों का अधिक उपयोग करें। लू से बचने के लिए खरबूज, तरबूज, ककड़ी, खीरा, आदि मौसमी फलों का सेवन करें। बेल, सौफ, पोदीना, धनिया आदि के शर्बत तथा छांछ के उपयोग से भी लू से बचाव होता है। अगर लू के लक्षण जैसे मिचली आने, गला सूखने तथा बुखार का प्रकोप होने पर तत्काल डॉक्टर से संपर्क करके उचित उपचार करायें।

अपर कलेक्टर ने कई मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

रीवा। रीवा जिले में लोकसभा निर्वाचन के लिए 2014 मतदान केन्द्रों में शांतिपूर्वक मतदान संपन्न हुआ। शांतिपूर्वक मतदान संपन्न कराने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लगातार मतदान केन्द्रों का भ्रमण किया गया। इस क्रम में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने सेमरिया तथा सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के कई मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। अपर कलेक्टर ने सबसे पहले बैकुण्ठपुर में मतदान केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान दल के सदस्यों तथा मतदाताओं से मतदान केन्द्र की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसके बाद अपर कलेक्टर ने जवा विकासखण्ड के ग्राम बाबा की बरौली में मतदान केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदाताओं से निर्भय होकर मतदान की अपील की। इसी क्रम में अपर कलेक्टर ने ग्राम इटौरी, सितलहा तथा जवा के मतदान केन्द्रों का भी निरीक्षण किया गया। अपर कलेक्टर ने ग्राम अदवा कोठार, पनवार, कोनीकला तथा अन्य मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया।

धनपुरी हायर सेकेंडरी स्कूल द्वय की समस्याओं का समाधान जरूरी

पहले नहीं दिया ध्यान, अब रिजल्ट पर घमासान

धनपुरी।

माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश भोपाल द्वारा कक्षा 10 वीं, 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं कन्या शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का परीक्षा परिणाम निराशाजनक रहा है जिसे लेकर उक्त विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था, शिक्षकों की कर्तव्य परायणता व शासकीय विद्यालयों की अस्मिता, विश्वसनीयता पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

इन्हीं विद्यालयों से शिक्षा ग्रहण करने वाले सैकड़ो हजारों बच्चों ने शासन प्रशासन के बड़े-बड़े पदों को सुशोभित किया है अपने अभिभावकों व नगर का मान बढ़ाया है फिर आज ऐसी दुर्गति की स्थिति क्यों उत्पन्न हुई इन सवालों की ओर किसी के द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है सिर्फ रिजल्ट को लेकर हाय तौबा मचाना ही काफी नहीं है बल्कि स्कूल कि उसे दुर्दशा पर ध्यान दिया जाना जरूरी है जो ऐसे परीक्षा परिणाम के लिए उत्तरदायी हैं। तब क्यों नहीं दिया ध्यान शासन प्रशासन के नुमाइंदे हों, अभिभावक, नागरिक अथवा छात्र-छात्राएं परीक्षा परिणाम को लेकर सभी हाय तौबा मचा रहे हैं। सवाल यह उठता है कि दुर्दशा के दौर से गुजर रहे यहां तक की विद्यालय भवन के लिए भी वर्षों से इंतजार कर रहे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की अव्यवस्थाओं या समस्याओं को हल करने की दिशा में कभी हाय तौबा क्यों नहीं मची? बच्चे किन हालात में पढ़ते हैं शिक्षक किन हालात में पढ़ा रहे हैं पूरे साल इस पर किसी ने गौर नहीं किया अब रिजल्ट बिगड़ा तो सबको अपनी होशियारी, समझदारी पर गर्व हो रहा है और स्कूल के शिक्षकों परीक्षार्थियों पर शर्म महसूस हो रही है आखिर क्यों? इन सवालों का जवाब भी तो खोज जाना चाहिए।यह रहा रिजल्ट बताया जाता है कि शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 10 का परीक्षा परिणाम 61.53 प्रतिशत रहा कक्षा 10 में 26 बच्चों में से 16 पास हुए कक्षा 12वीं 44 छात्रों में 14 छात्र परीक्षा पास हुए कला संकाय का परीक्षा परिणाम 23.07 प्रतिशत रहा जानकारी के अनुसार कक्षा बारहवीं का परीक्षा परिणाम 31.81% रहा।दुर्दशा का शिकार सोहागपुर कोलांचल का सबसे पुराना शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,व शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जो लगभग 70 वर्षों से संचालित है। शासकीय स्कूल जर्जर अवस्था में होने के चलते बोर्ड परीक्षा का सेंटर अन्य स्कूलों में कई साल से दिया जाता है। स्कूल के लिए नए भवन बनाने के लिए करोड़ों रुपए स्वीकृति होने के बाद भी जर्जर स्कूल आज भी ज्यो का त्यों मरम्मत के अभाव में मुंह बाद खड़ा है।लगातार उपेक्षाशासकीय स्कूल की तुलना में प्राइवेट स्कूलों शिक्षण संस्थानों का ग्राफ काफी बड़ा हुआ है आज देखा जाए तो हर माता-पिता अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दीक्षा देने के चलते अच्छी सी अच्छी स्कूल मे बच्चों को पढ़ाते हैं शासकीय स्कूल के शिक्षक भी यह जानते हैं कि शासकीय स्कूल मैं पढ़ाई अच्छी नहीं होती इसीलिए अपने बच्चों को प्राइवेट और अच्छी से अच्छी स्कूलों में बच्चों को पढ़ते हैं।मध्य प्रदेश शासन के द्वारा आज हर सरकारी स्कूलों में बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा मिलने को लेकर सरकार हर सुविधायुक्त व्यवस्था बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है लेकिन शिक्षा विभाग के कुछ नौकरशाह की लापरवाही के चलते शासकीय स्कूल शिक्षा स्तर उठने की बजाय और खराब रिजल्ट देखने को मिल रहा है। इतनी पुरानी स्कूल वहां बच्चों की संख्या दिन पर दिन घटती जा रही हो आखिर उसकी वजह क्या हो सकती है यह शिक्षा विभाग ही बताएगा।कभी होता था गर्व शिक्षा मंडल भोपाल के द्वारा कक्षा 10वीं 12वीं का परीक्षा परिणाम धनपुरी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और कन्या विद्यालय परीक्षा परिणाम सुनकर नगर में चर्चा का विषय बना है कि जब हम लोग इस स्कूल में पढ़ते थे उसे समय शिक्षकों के द्वारा जो पढ़ाई होती थी और परीक्षा परिणाम भी सुनकर नगर सहित जिले में नाम होता था लोगों को आज भी अपने गुरुओं का नाम शिक्षा दीक्षा पाकर गौरवान्वित महसूस करते हैं। सिर्फ शिक्षक बदले हैं स्कूल वही है। आखिर इन स्कूलों शिक्षा का स्तर क्यों पूर्व की तरह देखने को नहीं मिल रहा है। सुधार की आवश्यकता है।

मानसिक रूप से विक्षिप्त किशोरी के साथ दुष्कर्म, पुलिस के लिए बना मुसीबत

रीवा ।

जिले से दिल दहलाने वाली घटना घटी सामने आई है जहां बिछिप्त युवती के साथ मानवता को शर्मशार कर करने वाली वारदात हुई है । गुरुवार को संजय गांधी अस्पताल में एक बिछिप्त किशोरी को एक अज्ञात व्यक्ति ने भर्ती करवाया था जिसके वस्त्र फटे हुए थे। जानकारी के अनुसार किशोरी के मिलने के बाद चिकित्सकों ने पूछताछ कर मेडिकल परीक्षण किया तो किशोरी के पेट में चार माह का गर्भ मिला, किशोरी मानसिक रूप से बिछिप्त है जिसकी पहचान नहीं हो पाई है। जिसे साइकाइट्रिक वार्ड में भर्ती कराया गया है । वहीं पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी गई है। पुलिस किशोरी के संबंध में जानकारी जुटा रही है। किशोरी के साथ हैवानियत कहां हुई और किसके द्वारा की गई । पूरे मामले की पुलिस छानबीन कर रही है। फिलहाल एक तरफ जहां किशोरी का उपचार चल रहा है वहीं दूसरी तरफ पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

इनका कहना है

किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसे अस्पताल में एडमिट करवाया था वहां से पता चला कि वह चार माह की गर्भवती है उसके हिसाब से कायमी की गई है क्योंकि महिला बिछिप्त है कोई भी जानकारी नहीं दे पा रही है हमें अभी उसका कोई परिचित भी नहीं मिला है अभी पूरा प्रकरण जांच में लिया गया है आगे जो भी कार्रवाई की जाएगी जानकारी दी जाएगी ।

रितु उपाध्याय

शराब गारंटी मामले में हाईकोर्ट सख्त कलेक्टर, एसपी, आबकारी आयुक्त को नोटिस हुई जारी

रीवा।

प्रदेश के रीवा जिले का बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में एक नया मोड़ सामने आया है, वर्ष 2022-23 में शराब दुकान ठेका पाने के लिए नौ लोगों ने ऐसा जुगाड़ लगाया था कि अब यह जुगाड़ जिले के अधिकारियों के लिए गले का फांस बन गया है ।दरअसल जबलपुर हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। जिसमें आरोप लगाया गया था कि शराब ठेका पाने के लिए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मोरवा सिंगरौली द्वारा फर्जी तरीके से परफॉर्मेंस गारंटी दी गई थी शिकायत के बावजूद भी कोई कार्यवाही नहीं की गई. अब इस मामले में मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमठ एवं न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की युगल पीठ ने रीवा जिले के कलेक्टर, एसपी, कमर्शियल टैक्स विभाग के प्रमुख सचिव, ईओडब्ल्यू एसपी, आबकारी आयुक्त को नोटिस जारी करते हुए जवाब तलब किया है ।रीवा निवासी अधिवक्ता वी .के माला द्वारा अपने अधिवक्ता अमित सिंह के माध्यम से जनहित याचिका लगाई गई थी। उन्होंने कहा था कि रीवा में नौ लोगों के द्वारा संयुक्त शराब ठेका पाने के लिए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मोरवा सिंगरौली के अधिकारियों के माध्यम से फर्जी बैंक गारंटी लगाई गई थी. शराब ठेका पाने के लिए बिना किसी मार्जिन मनी जमा के ही 15 करोड रुपए की गारंटी बनवाई गई थी । अधिवक्ता ने जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए बताया कि आरबीआई द्वारा जारी की गई गाइडलाइन के अनुसार शेड्यूल्ड बैंक जैसे नेशनलाइज्ड और रीजनल बैंक आदि को परफॉर्मेंस गारंटी देने का अधिकार है कोऑपरेटिव बैंकों को इसका अधिकार नही है. इस पूरे मामले की शिकायत के बाद जांच हुई और बैंक ने स्वीकार किया कि फर्जी तरीके से बैंक गारंटी जारी की गई है. लेकिन अब तक इसमें कोई भी कार्यवाही नहीं हुई है. जिसके बाद जबलपुर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है. जिसके बाद उच्च न्यायालय ने रीवा जिले के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक कमर्शियल टैक्स विभाग के प्रमुख सचिव, ईओडब्ल्यू एसपी, आबकारी आयुक्त को नोटिस जारी करते हुए जवाब तलब किया ।

गेंहू उपार्जन के लिये किसान बुक कर सकते हैं अपने स्लॉट

रीवा

किसानों को उनकी उपज का अधिकतम दाम देने के लिए शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर फसल का उपार्जन किया जाता है। पंजीकृत किसानों से जिले के निर्धारित खरीदी केन्द्रों में गेंहू का उपार्जन प्रारंभ कर दिया गया है। जिले भर में सहकारी समितियों के माध्यम से नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा गेंहू की खरीद की जा रही है। गेंहू उपार्जन के लिए स्लॉट बुक करने का कार्य आरंभ हो गया है।

इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि इस वर्ष किसानों को गेंहू खरीद के लिए एसएमएस नहीं भेजा जाएगा। किसान गेंहू के बिक्री का दिनांक तथा समय एमपी ई उपार्जन डॉट एनआईसी डॉट इन पोर्टल पर स्वयं बुक कर सकते हैं। किसान सबसे पहले ई उपार्जन पोर्टल पर उपार्जन की लिंक क्लिक करें। इसमें स्लॉट बुकिंग का विकल्प दिखेगा। किसान अपना पंजीयन कोड दर्ज करें। कोड दर्ज करने पर पंजीकृत मोबाइल नम्बर पर ओटीपी प्राप्त होगा। ओटीपी दर्ज करने के बाद किसान तहसील, उपार्जन केन्द्र तथा उपज बिक्री का दिनांक दर्ज करें। इसके बाद स्लॉट बुक पर सबमिट करें। पोर्टल पर पंजीकृत किसान द्वारा बुक किए गए स्लॉट की जानकारी प्रदर्शित होगी। इसका प्रिंट निकाला जा सकता है।

कलेक्टर ने बताया कि किसान अपने पंजीकृत एन्ड्रॉयड फोन, लोक सेवा केन्द्र, ग्राम पंचायत, एमपी ऑनलाइन के कियोस्क सेंटर, उपार्जन केन्द्र तथा इंटरनेट कैफे का उपयोग कर गेंहू उपार्जन के लिए स्लॉट बुक कर सकते हैं। किसान प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर एक बजे तक तथा दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे के बीच स्लॉट बुक कर सकते हैं। गेंहू का उपार्जन प्रत्येक सप्ताह सोमवार से शुक्रवार तक किया जाएगा। किसान द्वारा बुक किए गए स्लॉट की वैधता तीन कार्य दिवस की होगी। जिस तहसील में किसान की भूमि है उस तहसील के किसी भी खरीदी केन्द्र में अपना गेंहू बेच सकते हैं।

अब तक समर्थन मूल्य पर हुई 149987 क्वटल गेंहू की खरीद

जिले में निर्धारित खरीदी केन्द्रों में एक अप्रैल से समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीद की जा रही है। जिले में 28 अप्रैल तक 701 किसानों से 149987 क्वटल गेंहू की खरीद अब तक की गयी है। इसके लिए किसानों को 359 करोड़ 97 लाख 80 हजार की राशि मंजूर की गयी है। इस संबंध में अपर कलेक्टर तथा प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रक श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बताया कि उपार्जित गेंहू का भण्डारण कराया जा रहा है। अब तक खरीदे गये गेंहू में से 19115 क्वटल गेंहू का परिवहन किया जा चुका है। अब तक किसानों के बैंक खाते में 30 करोड़ 56 लाख 64 हजार रूपये की राशि का भुगतान किया जा चुका है। गेंहू खरीदी के लिए अब तक 5247 किसानों ने स्लॉट बुक किये हैं। जिले में सहकारी समितियों के मध्याम से गेंहू का उपार्जन किया जा रहा है। अधिकतर खरीदी केन्द्र गोदाम स्तर पर बनाये गये हैं।

गेंहू उपार्जन की निगरानी के लिए अधिकारी तैनात

रीवा

जिले भर में 82 खरीदी केन्द्रों में शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर गेंहू का उपार्जन किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने गेंहू उपार्जन की निगरानी के लिए राजस्व अधिकारियों तथा जिला स्तरीय अधिकारियों की तैनाती की है। तहसील गुढ़ में एसडीएम अनुराग तिवारी, तहसीलदार विनय मुर्ति शर्मा तथा नायब तहसीलदार तेजपती सिंह को तैनात किया गया है। तहसील जवा के खरीदी केन्द्रों की निगरानी के लिए तहसीलदार राजेश कुमार शुक्ला, तहसीलदार राजेन्द्र शुक्ला तथा एसडीएम पीयूष भटट को तैनात किया गया है। त्योंथर तहसील के खरीदी केन्द्रों की निगरानी के लिए एसडीएम संजय कुमार जैन, नायब तहसीलदार द्वारिका प्रसाद दहायत, नायब तहसीलदार भगवानदास रैदास, नायब तहसीलदार वीरेन्द्र द्विवेदी तथा तहसील मनगवां में एसडीएम प्रभाशंकर त्रिपाठी, नायब तहसीलदार साधना सिंह, तहसीलदार नीलेश कुमार सिंह, नायब तहसीलदार मनोज सिंह एवं नायब तहसीलदार राजीव कुमार शुक्ला को तैनात किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार रायपुर कर्चुलियान तहसील में तहसीलदार सुमित गुप्ता, नायब तहसीलदार शारदा प्रसाद प्रजापति, नायब तहसीलदार दिलीप कुमार श्रीवास्तव तथा सिरमौर तहसील में तहसीलदार सोनाली देव, नायब तहसीलदार रमाकांत तिवारी एवं नायब तहसीलदार मनोज शुक्ला को तैनात किया गया है। सेमरिया तहसील में एसडीएम आरके सिन्हा, नायब तहसीलदार आंचल अग्रहरी, तहसीलदार अर्जुन कुमार बेलवंशी तथा हुजूर तहसील में एसडीएम हुजूर वैशाली जैन, तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला, नायब तहसीलदार यतीश शुक्ला, नायब तहसीलदार अरूण यादव, नायब तहसीलदार विन्ध्या मिश्रा तथा नायब तहसीलदार बिन्दु तिवारी को तैनात किया गया है। कलेक्टर ने खरीदी केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों की तैनाती की है। तहसील गुढ़ तथा रायपुर कर्चुलियान में उप संचालक कृषि यूपी बागरी, तहसील जवा में महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय तथा तहसील त्योंथर में उपायुक्त सहकारिता अशोक शुक्ला तथा सहायक नियंत्रक नापतौल विजय खातातकर को तैनात किया है। तहसील मनगवां में जिला विपणन अधिकारी शिखा वर्मा, सिरमौर में मंडी सचिव विष्णु शुक्ला, सेमरिया में जिला प्रबंधक वेयर हाउस कमलभान बागरी तथा तहसील हुजूर में सहायक संचालक उद्यानिकी योगेश पाठक को तैनात किया गया है।

शवों को एसडीआरएफ की टीम ने किया बरामद

नहाते समय बिहर नदी में डूबे दो छात्र

जिले के शहर मे बीचो-बीच बह रही बिहार नदी मे शनिवार को कक्षा दसवीं के दो छात्र नहाते समय डूब गए । जिसकी सूचना आसपास के लोगों द्वारा पुलिस को दी गई ।

रीवा ।

पुलिस एनडीआरएफ की टीम की मदद से दोनों छात्रों के तलाश में जुट गई । वही रविवार की सुबह दोनो छात्रों के शवों को एसडीआरएफ की टीम ने बरामद किया है जानकारी के मुताबिक जिले के बिहर नदी करहिया घाट में किसन पाण्डेय पिता सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय उम्र 16 वर्ष निवासी संजय नगर, व कृष्णा कोरी पिता अंबिका कोरी उम्र 16 वर्ष निवासी संजय नगर कक्षा 10वी का परीक्षा दिया था । दोनों शनिवार को घर से नहाने के लिए बिहर नदी गए थे लेकिन काफी देर तक वह घर वापस नहीं पहुंचे तो इसके बाद परिजन उनकी तलाश में निकले तो दोनों छात्रों के कपड़े बिहर नदी के किनारे पड़े मिले लेकिन उनकी साइकिल वहां नहीं दिखी जिससे परिजनों को दोनो के नदी में डूबने की आशंका हुई । पुलिस व एसडीआरएफ की टीम मौके पहुंचकर दोनो छात्रों को नदी में ढूंढने लगी लेकिन देर रात तक एसडीआरएफ टीम को कोई सफलता नहीं मिली जिससे आज पुनः एसडीआरएफ की टीम ने सुबह नदी में दोनों छात्रों को तलाश करना शुरू किया कुछ ही समय बाद दोनो छात्रों के शवो को गोताखोर की टीमों द्वारा बरामद किया वही पुलिस मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए शव को मर्चरी हाउस में रखवा कर जांच करना शुरू कर दिया ।

नाले में मिला नर कंकाल, पुलिस व एफएसएल की टीम जांच में जुटी, शरीर के कई अंग गायब

रीवा । जिले के चोरहटा थाना क्षेत्र मे रविवार की सुबह अमरैया गांव स्थित धिरमा नाल में स्थानी किसान ने एक नर कंकाल देखा।जिसकी सूचना किस ने पुलिस को दी। मौके पर चोराहटा पुलिस और एफएसएल की टीम पहुंचकर छानबीन शुरू की । मिली जानकारी के अनुसार कंकाल के शरीर के कई अंग गायब है आसपास एक चप्पल और शरीर पर काला पेंट दिखाई दे रहा है जिससे पुलिस ने यह पहचान की वह किसी युवक का शव है । स्थानीय निवासी किसान अजय शुक्ला ने बताया कि सुबह खेत में काम कर रहा था तभी उसे सूखे नाले से गंध आने लगी आसपास देखने के बाद नाले में एक नल कंकाल दिखाई दिया जिसकी सूचना चोरहटा चलता पुलिस को दी गई । वही बताया जा रहा है कि जिस स्थान पर युवक का नर कंकाल मिला है वहां जाने के लिए उस स्थान पर रास्ता नहीं है शरीर पूरी तरह से गल जाने के कारण युवक की पहचान अभि तक नहीं हो पाई है ।

खबर संक्षेप

केडिया पेट्रोल पंप के पास मिला अज्ञात वृद्ध का शव, पुलिस जुटी जांच में

अनूपपुर। जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 14 केडिया पेट्रोल पंप से यूनियन बैंक के मध्य एक दुकान के टीन सीट के नीचे फर्स मे शनिवार की देर शाम एक अज्ञात वृद्ध का शव नागरिकों की सूचना पर 100 डायल पुलिस आरक्षक कपिल ने बरामद करते हुए शव वाहन से जिला चिकित्सालय के पीएम वार्ड के शव फ्रीजर में सुरक्षित रखाते हुए अज्ञात वृद्ध की तलाश में जुटी हुई है। समाचार लिखे जाने तक अज्ञात वृद्ध की पहचान नहीं हो सकी है अज्ञात वृद्ध सफेद, काली पाट्टीदार फुलशर्ट, काले रंग का फुलपैन्ट पहने हुए हैं उनके पास एक लाल रंग का प्लास्टिक का थैला जिसमें कुछ कपड़े, ब्रश, जीबी एवं बाजार से खरीदा हुआ नमकीन का पैकेट पाया गया है जेब में पहचान का कोई दस्तावेज प्राप्त नहीं हुआ है, यह वृद्ध शनिवार की दोपहर से स्थल के पास देखे जाने की जानकारी आस-पड़ोस के नागरिकों ने बताई।

अचानक आंधी तूफान के साथ गिरी आकाशीय बिजली

अनूपपुर। 28 अप्रैल की सुबह 8.30 बजे अचानक आंधी तूफान के साथ आकाशीय बिजली गिर जाने से धीरन पिता लोकनाथ 57 वर्ष ग्राम हर्रा टोला की मृत हो गया। म्रतक अपने मवेशियों को पानी पिलाने बांध में लेकर गया था इसी बीच अचानक आकाशीय बिजली गिर जाने से मृत हो गया। मौके पर पुलिस थाना राजेंद्रग्राम पहुंच कर मौका पंचनामा तैयार कर पी एम कराकर लाश को परिजनों को सौंप दिया।

तय्यबा ने 12वीं बोर्ड परीक्षा में पाई उल्लेखनीय सफलता

अनूपपुर। जिला मुख्यालय के नजदीकी ग्राम चिल्हारी की लाडली

लक्ष्मी बेटी तय्यबा खातून ने मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 85.4 प्रतिशत यानी 500 पूर्णांक में 427 अंक प्राप्त कर नायाब उपलब्धि हासिल की है ग्राम चिल्हारी मे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पद पर पदस्थ अफसाना बेगम की तय्यबा खातून दत्तक पुत्री हैं। प्रतिभाशाली तय्यबा खातून ने अपनी पढ़ाई को पूरी संजीदगी से करने के लिए ग्राम चिल्हारी से अनूपपुर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययन के लिए लंबा रास्ता प्रतिदिन तय किया उनकी यह उपलब्धि साधारण नहीं है उनका पढ़ाई के प्रति जुनून उनकी लगन को प्रदर्शित करता है गांव की बेटी और लाडली लक्ष्मी तय्यबा खातून ने जो उपलब्धि हासिल की है उसके लिए उनकी माता व परिवारजन तथा ग्राम के वरिष्ठ जनों द्वारा उन्हें इस उल्लेखनीय सफलता हेतु बधाई और शुभकामनाएं दी गई हैं।

कलेक्टर कान्फ्रेंस 8 को तो विकास कार्यों की समीक्षा बैठक 9 मई को

अनूपपुर। 28 अप्रैल कमिश्नर शहडोल संभाग की उपस्थिति में दिनांक 8 में 2024 को प्रात11 से कलेक्टर कान्फ्रेंस (राजस्व) की व दिनांक 09 मई 2024 को प्रात 11 बजे से विकास कार्यों की संभागीय समीक्षा बैठक कमिश्नर कार्यालय के सभागार में आयोजित की जाएगी।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों को दी जानकारी

डिंडौरी । कलेक्टर विकास मिश्रा ने आज सीएम राइज स्कूल अमरपुर में जिले में संचालित नीट की परीक्षा की तैयारी के बारे में विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा जिले में संचालित निःशुल्क छम्म्ज क्लास के बारे में बताया। साथ ही नीट अभ्यर्थियों से उनकी तैयारी के संबंध में जानकारी ली।

भाजपा प्रत्याशी की जीत दोहराने की कोशिश तो कांग्रेस प्रत्याशी हैट्रिक की राह पर

शहडोल संसदीय क्षेत्र में किसके सिर सजेगा जीत का ताज

लोकसभा उम्मीदवारों की हलक पर अटकी सांसें

4 जून को आएंगे नतीजे, मुकाबला बीजेपी-कांग्रेस में

इन्ट्रो-मध्यप्रदेश के शहडोल लोकसभा सीट से दसों उम्मीदवारों ने चुनाव जीतने को लेकर ताबड़तोड़ मेहनत की है। 19 अप्रैल को चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुआ है जिसके बाद से सभी उम्मीदवारों की सांसे हलक में अटकी हुई है। चुनाव संपन्न होते ही सभी 4 जून का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अनूपपुर।

इस दिन ईव्हीएम में कैद हुए उम्मीदवारों का भविष्य का पिटारा खुलेगा जिसमे सिर्फ एक उम्मीदवार को कुर्सी पर बैठने का मौका मिलेगा तो बाकी 9 उम्मीदवारों को भविष्य तलाशने की जद्दोजहद करनी होगी। हालांकि 2019 के चुनाव से इस बार बारह प्रतिशत कम मतदान अर्थात 62 प्रतिशत मतदान भी उम्मीदवारों के लिए बड़ी टेंशन है। वैसे हर बार की चुनाव की तरह इस बार भी चुनाव मे कांग्रेस और भाजपा की टक्कर रही। इस बार का चुनाव काफी दिलचस्प रहा है, क्योंकि शहडोल लोकसभा क्षेत्र में भाजपा के प्रत्याशी हिमाद्री सिंह के कार्यकाल में भ्रष्टाचार और समस्या ने जमकर पैर पसारा है वहीं पानी, बिजली, सड़क समेत कई मूलभूत सुविधाओं के लिये ग्रामीण परेशान रहे जिस कारण इस बार के चुनाव में कई इलाकों में चुनाव बहिष्कार देखने को मिली है। यही मुद्दे भाजपा प्रत्याशी हिमाद्री सिंह की हार की वजह बन सकती है। वही कांग्रेस की अंर्तकलह व बड़े पदाधिकारियों का शहडोल संसदीय क्षेत्र मे व्यापक प्रचार न करना भी कांग्रेस के लिए दुखदायी हो सकता है। हालांकि अभी परिणाम घोषित होने से पहले कुछ कहा नहीं जा सकता है।

दोनो पार्टियों से पहुंचे थे बड़े चेहरे

जिस तरह भाजपा प्रत्याशी हिमाद्री सिंह के पक्ष में राज्य से लेकर केंद्र के बड़े बड़े चेहरे वोट मांगने पहुंचे थे। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि हिमाद्री सिंह द्वारा शहडोल लोकसभा क्षेत्र के विकास में कोई ध्यान नहीं दिया है। इसलिए वोट मांगने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। वहीं इनके पक्ष में छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम भी वोट बटोरने पहुंचे थे। वही कांग्रेस प्रत्याशी फुंदेलाल सिंह के लिए भी राहुल गांधी समेत कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी लोकसभा मे पहुंचकर उनके पक्ष मे मतदान की अपील की थी परंतु भाजपा की अपेक्षा कांग्रेस मे कम ही दिग्गजों ने वोट बटोरने यहां आमद दी अथवा मेहनत की। अब देखने वाली बात होगी कि किसके सिर जीत का सेहरा सजेगा। हिमाद्री सिंह जीत को दोहरा पायेंगी या फिर फुंदेलाल सिंह जीत की लगायेंगे।

इधर कम मतदान से घबराये भाजपाई

चुनाव प्रचार मे पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने मतदान प्रतिशत कम होने को लेकर निर्वाचन आयोग के नियमों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि दोनों ही चरणो में मतदान प्रतिशत कम इसलिए हुआ है क्योंकि डिजिलॉकर को निर्वाचन आयोग ने मान्यता नहीं दी। उन्होंने कहा कि आज का युवा अपने दस्तावेजों को डिजिलॉकर में रखता है। जब डीजी लाकर को लेकर युवा मतदान केंद्रों पर पहुंचा तो उसे वहां पर मतदान करने की अनुमति नहीं दी गई। जिससे 5% अधिक युवा मतदान से वंचित रह गया। वीडी शर्मा ने कहा की यात्रा के दौरान भी डिजिलॉकर को मान्यता दी गई है, इसी अनुमान के आधार पर खजुराहो लोकसभा में युवा मोबाइल लेकर मतदान करने पहुंचे थे लेकिन उन्हें मतदान केंद्र के अंदर प्रवेश नहीं दिया गया। जिससे मतदान को लेकर आज का युवा वंचित रह गया। वीडी शर्मा ने कहा कि पूरे मामले की शिकायत चुनाव आयोग से की गई है साथ ही अगले चरणों में जो मतदान बचा है वहां पर डीजी लॉकर को मान्यता देने की भी मांग रखी है। इस मौके पर उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस का जनाजा तो पहले से ही निकला हुआ है। वह बीजेपी के कहने से नहीं निकलेगा जब परिणाम आएगा तो सब कुछ सामने आ जाएगा।

किसके हक में जाएगा घटता वोटिंग प्रतिशत

पिछला ट्रेंड ये कहता है कि अगर वोटिंग बंपर हो तो वो मौजूदा सरकार के खिलाफ जाती है और अगर घटता हुआ मतदान हुआ हो तो वो मौजूदा सरकार के पक्ष में जाता है। हालांकि अब ये ट्रेंड भी बदल गया है। सवाल ये है कि इस बार ये गिरता हुआ वोटिंग प्रतिशत किसके हिस्से जाएगा। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार कम हुए मतदान से ये आकंलन नहीं किया जा सकता है कि ये किस्से हिस्से में जाएगा क्योंकि अगर पिछले लोकसभा चुनाव का आंकलन देखें तो मतदान घटने पर भी सरकार बदली और मतदान बढ़ने पर भी सरकारें रिपीट हुई हैं। फिलहाल ये नहीं कहा जा सकता कि वोटिंग का ये ट्रेंड किसे फायदा पहुंचाने वाला है। लेकिन एक बात स्पष्ट हो रही है कि मतदाता इस बार उदासीन है। सियासी गलियारों में वोटिंग परसेंट घटने पर कई के मायने निकाले जा रहे हैं। वोटिंग परसेंटेज घटने को कांग्रेस अपने लिए फायदेमंद मान रही है। कांग्रेस इससे खुश नजर आ रही। जबकि भाजपा का दावा है कि मध्य प्रदेश में 29 में से 29 सीटों पर जीत हासिल होगी। कांग्रेस का अपना कयास हैं कि उन्हें फायदा मिलेगा। दूसरी ओर बीजेपी भी अपनी जीत को लेकर पूरी लेकर पूरी तरह निश्चित है।

कोडा गांव में लोमड़ी के हमले से तीन घायल

जिला चिकित्सालय में किया गया उपचार

अनूपपुर।

जिला मुख्यालय से 8 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत कांसा के कोड़ा गांव में रविवार की सुबह खेत में गेहूं काट रहे दो युवक एवं एक युवती पर एक मानसिक रुप से विक्षिप्त लोमड़ी ने हमला कर तीनों को लहूलुहान कर दिया इसके पहले लोमड़ी ने एक गाय एवं एक बछड़े को भी घायल किया है लोमड़ी के हमला से घायल तीनों को जिला चिकित्सालय अनूपपुर ला कर परिजनों द्वारा उपचार कराया गया। इस बीच जानकारी पर वन्यजीव संरक्षण अनूपपुर एवं वन विभाग के कर्मचारी भी जिला चिकित्सालय एवं घटनास्थल पर पहुंचे। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कांसा के कोड़ा गांव में रविवार की सुबह एक लोमड़ी गांव के बीजू पटेल की एक गाय एवं एक बछड़ा पर अचानक हमला कर घायल किया जिसे भगाए जाने पर कुछ दूर खेत में गेहूं

काटने का काम कर रहे दुर्गा पिता अमरनाथ विश्वकर्मा 18 वर्ष, सुनील पिता दशरथ विश्वकर्मा 28 वर्ष एवं संजय पिता दशरथ विश्वकर्मा 21 वर्ष पर हमला कर तीनों को लहूलुहान कर दिया। घटना की जानकारी पर ग्रामीणों, परिजनो द्वारा तीनों घायलों को जिला चिकित्सालय अनूपपुर ला कर उपचार कराया गया। उपचार के बाद से तीनों को खतरे से बाहर होना बताया गया है, घटना के बाद से लोमड़ी जंगल की ओर भाग कर चली गई है। ग्रामीणों ने बताया कि विगत दो-तीन दिनों से यह संभवतः मानसिक रूप से विक्षिप्त जंगली जानवर विचरण कर रही है। घटना की जानकारी पर वन्यजीव संरक्षण अनूपपुर शशिधर अग्रवाल, अनूपपुर बीट के वनरक्षक मो. रहीस खान जिला चिकित्सालय पहुंचकर घायलों का उपचार कराने बाद घटना के संबंध में जानकारी लेते हुए स्थल का निरीक्षण किया।

असामयिक बारिश एवं ओलावृष्टि के पर राज्य शासन ने दी राहत

गेहूं में निर्धारित एफएक्यू मापदण्ड किया गया

अनूपपुर।

जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि असामयिक बारिश एवं ओलावृष्टि के कारण गेहूं के फसल प्रभावित होने से रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन हेतु निर्धारित एफएक्यू मापदण्ड में शिथिलता प्रदान की गई है। रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेहूं के उपार्जन हेतु एफएक्यू अनुसार निर्धारित सीमा एवं शिथिलता उपरांत निर्धारित सीमा में क्रमशः सिकुडे एवं टूटे दाने 6 प्रतिशत से बढाकर 15 प्रतिशत तक, चमक विहीन 30 प्रतिशत से बढाकर 50 प्रतिशत तक, क्षतिग्रस्त दाने 2 प्रतिशत से बढाकर 6 प्रतिशत तक एवं आंशिक क्षतिग्रस्त दाने 4 प्रतिशत से बढाकर 6 प्रतिशत तक की छूट शासन द्वारा प्रदान की गई है। एफएक्यू मापदण्ड में प्रदान की गई शिथिलता अनुसार समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के संबंध में जिले में कार्यवाही सुनिश्चित किये जाने के निर्देश जारी किये गये है। एफएक्यू मापदण्ड में प्रदान की गई शिथिलता की सीमा तक उपार्जित गेहूं पर पूर्ण समर्थन मूल्य की राशि मय राज्य बोनस रुपए 2400 प्रति क्विंटल किसानों को भुगतान सुनिश्चित करने एवं मापदण्ड में शिथिलता अनुसार उपार्जित गेहूं के बोरों पर जेड मार्का लाल रंग की स्याही से लगाकर किसानवार पृथक से उपार्जन केन्द्र एवं गोदाम में स्टेकिंग कराई जाने, बोरों पर जेड मार्का इस प्रकार लगाया जाने की वह स्पष्ट रूप से दर्शित हो, उपार्जन केन्द्र के लॉगिन से गेहूं की मात्रा एवं प्रतिशत की जानकारी ई-उपार्जन पोर्टल पर प्रविष्टि अनिवार्य रूप से कराने, गेहूं उपार्जन केन्द्रो से मापदण्ड में शिथिलता अनुसार उपार्जित गेहूं का पृथक-पृथक ट्रकों में परिवहन किए जाने एवं प्रत्येक ट्रक चालान में शिथिलता अनुसार प्रतिशत अंकित किए जाने, एक ट्रक में दोनों प्रकार (एफएक्यू एवं शिथिलता प्रदान अनुसार) के गेहूं का परिवहन नहीं करने, शिथिलता अनुसार गेहूं की प्राप्त भंण्डारण स्थल पर होने पर गोदाम प्रभारी द्वारा किसानवार गेहूं का परीक्षण किए जाने एवं किसानवार गेहूं के प्रतिशत का मैन्यूअल एवं ऑनलाईन जारी किए जाने वाले स्वीकृति पत्रक में प्रविष्टि करने, गेहूं उपार्जन समितियों से प्राप्त मापदण्ड में शिथिलता अनुसार गेहूं ट्रक चालानों में शिथिलता का प्रतिशत दर्ज न होने अथवा एफएक्यू मापदण्ड में शिथिलता सीमा से अधिक प्रतिशत का गेहूं पाए जाने पर ट्रक को भंण्डारण हेतु स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं संबंधित उपार्जन केन्द्रो को वापस करने, भंण्डारण एजेंसी के संग्रहण केन्द्र प्रभारी का दायित्व होगा कि संग्रहण हेतु प्राप्त एफएक्यू एवं मापदण्ड में शिथिलता अनुसार गेहूं की उपार्जन संस्था वार पृथक-पृथक स्टेक लागए जांने, गेहूं के भंण्डारण में लगाए जाने वाले स्टेक कार्ड में एफएक्यू अथवा मापदण्ड में शिथिलता का पूर्ण विवरण अंकित किया जाएगा जिसमें ट्रक चालान में उल्लेंखित मापदण्ड में शिथिलता अनुसार प्रतिशत को दर्ज किये जाने, भंडारण एजेंसी द्वारा स्वयं के एवं संयुक्त भागीदारी योजनांतर्गत अनुबंधित गोदाम मालिकों से एफएक्यू एवं मापदण्ड में शिथिलता अनुसार गेहूं को पृथक-पृथक संस्थावार स्टेक लगाकर भंण्डारित करने तथा एफएक्यू मापदण्डो में अनुसार गेहूं का उपार्जन, परिवहन, भंण्डारण एवं उसके प्रतिशत के निर्धारण आदि की जानकारी प्रदान करने हेतु उपार्जन कार्य में संलग्न कर्मियों यथा-उपार्जन संस्थात प्रभारी, कम्प्यूटर आपरेटर, सर्वेयर तथा उपार्जन/भण्डांरण एजेंसी के गोदाम में कार्यरत कर्मियों को प्रशिक्षण उपार्जन एजेंसी द्वारा दिये जाने के निर्देश दिये गये है।

जिला न्यायालय के सभागार में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन संपन्न

अनूपपुर।

मुख्य न्यायाधिपति म.प्र. उच्च न्यायालय, जबलपुर के निर्देशानुसार किशोर न्याय बोर्ड (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु 27.04.2024 को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्रीमति मोनिका आध्या की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जिला न्यायालय, अनूपपुर के सभागार में किया गया। जिसमें माननीय महोदया द्वारा किशोर न्याय बोर्ड (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के अंतर्गत महत्वपूर्ण परिभाषा, बच्चों के हितार्थ उपयोग किए जाने वाले सिद्धांत, किशोर न्याय में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका, सम्प्रेक्षण ग्रह, शिशु ग्रह के विषय में उपस्थित अधिवक्तागण को जानकारियां प्रदान की। इस दौरान कार्यशाला में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमति चैनवती ताराम उपस्थित रहीं, जिन्होंने किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की धारा 15 के तहत प्रभारंभिक अस्सिमेन्ट, सॉसल इन्वेस्टीगेशन रिपोर्ट, किशोर न्याय अधिनियम के तहत विभिन्न प्रकार के अपराध आदि के बारे में जानकारियाँ प्रदान की। कार्यक्रम में मंच संचालन का कार्य आयुष सोनी, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल द्वारा किया गया। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनूपपुर के कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

दो ट्रॉली बैग में महिला के कब्जे से जप्त हुआ 1.52 लाख कीमती 15 पैकेट गांजा

पुलिस ने महिला को किया गिरफ्तार

अनूपपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में पुलिस ने बस स्टैण्ड अनूपपुर से 36 वर्षीय महिला को दो ट्रॉली बैग में भरे 15 किलो से अधिक गांजा अनुमानित कीमत 1.52 लाख रूपए के साथ पकड़ते हुए उसके खिलाफ धारा धारा 8/20 बी के तहत मामला दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। मुखबिर की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने बस स्टेण्ड अनूपपुर में एक महिला यात्री बिजुरी थाना अंतर्गत छोट बेलिया अपने घर जाने के लिए बस का इंतजार कर रही थी। जिसके पास दो बैग रखे थे पूछताछ करने व बैगों की जांच में पाया कि गांजा भरा है। पुलिस मौके पर दो ट्रॉली बैग में 15 पैकेट गांजा के मिले। कुल वजन 15 किलो 221 किलोग्राम गांजा अनुमानित कीमत 1 लाख 52 हजार 210 रूपए आंकी गई हैं। जिसे जप्त करते हुए आरोपित महिला को गिरफ्तार करते हुए उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। कार्यवाही में उपनिरीक्षक संजय खलखो, मंलगा प्रसाद दुबे, सहायक उपनिरीक्षक हरूननिशा, प्रधान आरक्षक महेन्द्र राठौर, रीतेश सिंह, प्रवीण भगत, महिला आरक्षक ऊषा सिंह रहीं।

देवरी में किए गए विद्युतीकरण कार्य का कलेक्टर ने किया अवलोकन

अनूपपुर। जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जन-मन) के तहत जैतहरी विकासखण्ड के ग्राम पंचायत देवरी में कलेक्टर आशीष वशिष्ठ एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के तहत तीन हितग्राहियों के घरों पर जाकर संचालित विद्युतीकरण कार्य का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान सहायक कलेक्टर महिपाल सिंह गुर्जर तथा ऊर्जा विभाग के अधीक्षण यंत्री जी.पी. गोस्वामी उपस्थित थे। ग्राम देवरी में तीन हितग्राहियों के घरों में पीवीटीजी के तहत प्रदाय विद्युत कनेक्शन के संबंध में कलेक्टर ने हितग्राहियों से चर्चा कर जानकारी प्राप्त की। ऊर्जा विभाग के अधिकारी ने पीवीटीजी विद्युतीकरण कार्य के संबंध में जानकारी दी।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने की फल दुकानों की जांच

अनूपपुर।

जिला मुख्यालय स्थित फलों के थोक एवं फुटकर विक्रेताओं रामलखन फल भंडार, शिवशक्ति फल भंडार, साईबाबा फ्रूट कंपनी, तुलसी राठौर फल विक्रेता, विनोद चौधरी फल विक्रेता आदि की दुकानों का खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान खराब फलो संतरा, अंगूर, सेव, अनार आदि का मौके पर ही विनष्टीकरण कराया गया सड़े-गले फलों का विक्रय न करने की समझाइश दी गई , संतरा, अंगूर, सेव, अनार आदि फलों के सैंपल जाँच हेतु लिए गए है जिसकी प्रयोगशाला से जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी क निरीक्षण के दौरान खाद्य एवं औषधि प्रशासन के खाद्य सुरक्षा अधिकारी नगर पालिका अनूपपुर के स्वच्छता निरीक्षक टीम में रहे।